बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग – 1

सोमवार, तिथि 28 फाल्गुन, 1939 (श.) / 19 मार्च, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 07

1.	पथ निर्माण विभाग	-	-	04
2.	ग्रामीण कार्य विभाग	-	-	01
3.	पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग	-	-	01
4.	ग्रामीण विकास विभाग	-	-	01
			कुल योग –	07

समपार पैदल पुल का निर्माण

128. **श्री संजीव कुमार सिंह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भागलपुर जिला मुख्यालय के बीचो-बीच अवस्थित भागलपुर रेलवे स्टेशन में सामने से प्रवेश करने हेतु चार मुख्य मार्ग है, जहां बार-बार जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे सड़क मार्ग के यात्रियों एवं रेल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार ऐसे महत्वपूर्ण स्थान पर उपरी समपार पैदल पुल बनाने का विचार रखती है, जिससे सड़क पर जाम नहीं लगे और रेल यात्रियों को भी कोई असुविधा नहीं हो सके, यदि हां तो निर्माण कबतक, नहीं तो क्यों?

पुल का निर्माण

129. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, पथ निर्माण (पुल निर्माण निगम) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत रक्सौल प्रखण्ड के गाद बहुअरी स्थित त्रिमुहान घाट जिसकी चौड़ाई लगभग 75 फीट है, पर पुल नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्थान पर पुल निर्माण से पूर्वी चम्पारण तथा पश्चिमी चम्पारण के कई प्रखण्डों को जोड़ने के साथ-साथ भारत नेपाल को जोड़ा जा सकता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उक्त स्थान पर पुल का निर्माण अविलम्ब कराकर दो जिलों के कई प्रखण्डों तथा भारत नेपाल को जोड़ने हेतु कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

सड़क का निर्माण

130. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत सुगौली से रक्सौल ढाला तक की मुख्य सड़क विगत कई वर्षों से जर्जर हो चुकी है और उक्त सड़क का पुन: निर्माण वर्षों से नहीं कराया जा रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार सुगौली से रक्सौल ढाला तक की सड़क का निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

लक्ष्य का निर्धारण

131. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में राज्य के सभी 38 जिलों में मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना के तहत ग्रामीण पथ निर्माण कराने का प्रावधान किया गया है, जो नक्सल प्रभावित जिले हैं, उन जिलों में त्वरित कार्रवाई कर पथ निर्माण कराने की योजना थी लेकिन नक्सल प्रभावित जिलों अरवल, औरंगाबाद, गया, जमुई, रोहतास, पश्चिम चम्पारण आदि जगहों के ग्रामीण पथ का निर्माण कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सका है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त जिलों सहित सभी जिलों के ग्रामीण पथ निर्माण के लिए कुल 8200 करोड़ रुपये आवंटित किये जा चुके हैं, किन्तु कार्य की गति काफी धीमी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतायेगी कि अबतक किन-किन जिलों में कबतक ग्रामीण पथ निर्माण कार्य पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है, यदि नहीं तो क्यों?

सड़क का निर्माण

132. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत घोसवारी प्रखंड के एन.एच.-82 में भोला स्थान से प्रस्तावित उच्च विद्यालय तक सड़क जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है;

(ख) क्या यह सही है कि इस सड़क के निर्माण से स्थानीय निवासियों को आने-जाने में सुविधा हो जायेगी;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस सड़क का निर्माण कराना चाहती है?

दोषी पर कार्रवाई

133. **श्री गुलाम रसूल** : क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खगड़िया जिलान्तर्गत बेलदौर प्रखंड का चिकनी कटिंग रोहियामा जलकर अंचलाधिकारी, बेलदौर कार्यालय के पत्रांक-105, दिनांक 01.02.1994 एवं पत्रांक-545, दिनांक 06.12.2007 तथा जिला मत्स्य पदाधिकारी खगड़िया के पत्रांक-82, दिनांक 02.02.1994 एवं समाहर्ता, खगड़िया के पत्रांक-70, दिनांक 22.01.2008 के अनुसार रैयती जलकर है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त् जलकर के रैयती होने के बावजूद अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी बेलदौर द्वारा मनमाने तरीके से रैयतों के मछली मारने पर रोक लगा दिया जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार रैयतों के मछली मारने के अधिकार को बरकरार रखने एवं दोषी पदाधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है?

पुलिया का निर्माण

134. **श्री सी. पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नालंदा जिलान्तर्गत कतरी सराय प्रखंड हरवेशपुरा (पश्चिम) के तरौना गांव से सटे मुंशी पैन पर बरसात के दिनों में बांस का चचरी बनाकर आवागमन किसी तरह संभव होता है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त गांव में पिछड़ी एवं अनुसूचित जाति के लोग अधिकतर निवास करते हैं, बच्चों के डूबने की घटनाएं होती रहती हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त जिला के उक्त गांव में प्राथमिकता के आधार पर पुलिया का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 19 मार्च, 2018